सिटी इवेंट

लिंक लैंग्वेज बन रही है हिन्दी

राज्यपाल बोले हिन्दी लोकप्रिय भाषा

राज्यपाल कल्याण सिंह ने हिन्दी दिवस पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। राज्यपाल ने कहा है कि

हिन्दी लोकप्रिय भाषा है। राज्य में यह भाषा व्यापक रूप से प्रचलित है। उन्होंने कहा कि राजस्थान हिन्दी भाषी राज्यों में अग्रणी है, इसलिए हिन्दी के विकास का वाहक बनने का दायित्व हमारी जिम्मेदारी बन जाती है। राज्यपाल ने कहा है कि 'हिन्दी जन-जन की भाषा बने, जन मानस हिन्दी को अपनाए, इसके लिए वर्तमान प्रयासों में तेजी लाते हुए नवीन प्रयोगों का सहारा लेकर जीवन के प्रत्येक कर्म में हिन्दी की प्रतिष्ठा हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

राजे ने दी शुभकानाएं

मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने प्रदेशवासियों को हिन्दी दिवस पर शुभकामनाएं दी। राजे ने कहा है कि भाषा का हमारे संस्कारों से गहरा संबंध होता है। हिन्दी भाषा

हमारे राष्ट्र का गौरव है और यह हमारी संस्कृति से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि हिन्दी भाषा की न केवल हमारी संस्कृति के विकास में भूमिका रही है, बल्कि हमारे साहित्य की समृद्धि में भी हिन्दी का योगदान रहा है। वहीं स्वतंत्रता संग्राम में भी हिन्दी ने देशवासियों को एकता के सूत्र में बांधा और आमजन को राष्ट्रप्रेम का एक स्वर दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हिन्दी भाषा विश्व में सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है और हमें हमारी राजभाषा हिन्दी पर गर्व करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आधुनिक परिदृश्य में विश्व की अन्य भाषाओं का भी ज्ञान होना जरूरी है, लेकिन हमें हिन्दी का गौरव सदैव बनाए रखना होगा।

ऐसे में कई लोगों का मानना है कि आधुनिक परिदृश्य में हिंदी भाषा अंग्रेजी की तुलना में बहुत पिछड़ी नजर आती है।

महानगर संवाददाता

जयपुर। राज्य में आज हिन्दी दिवस मनाया जाएगा। जिसे लेकर आज शहरभर में कई कार्यक्रम होंगे। जहां अलग-अलग तरीके से हिन्दी की उपयोगिता और उसे लेकर डिबेट आयोजित की जाएगी। ऐसे में कई लोगों का मानना है कि आधुनिक परिदृश्य में हिन्दी भाषा अंग्रेजी की तुलना में बहुत पिछड़ी नजर आती है। लेकिन बोलचाल की भाषा में आज भी हिन्दी का प्रचलन अंग्रेजी की तुलना में कही अधिक है। भारत के किसी भी हिस्से से ग्रेजुएशन करने आए छात्र अपनी क्षेत्रीय भाषा को छोड़ हिन्दी भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। इसमें वे अपनी भाषा का प्रयोग सिर्फ अपने परिवारिक सदस्यों के बीच करते हैं। सही मायनों में बाकी समाज से संवाद स्थापित करने के लिए लोग अंग्रेजी या हिन्दी का सहारा लेते हैं। हिन्दी इसमें भी अंग्रेजी से कहीं आगे है। देखा जाए तो हिन्दी लिंक लैंग्वेज बन रही है जो सबको जोड़ रही है।

विभिन्न संस्कृतियों और भाषाओं पर काम करने वाली एक संस्था इथॉनोलॉग के सर्वे के मुताबिक भारत में अंग्रेजी को अपनी सेकंड लैंग्वेज बताने वालों की तादाद आज भी 14-15 प्रतिशत से ज्यादा नहीं है। हिन्दी के अलावा अन्य किसी भी भाषा को अपनी मातृभाषा बताने वालों की संख्या यहां 10 प्रतिशत से ज्यादा नहीं है। क्षेत्रीय भाषा बोलने वालों की तादाद तेजी से घट रही है और उनकी जगह धीरे-धीरे हिन्दी लेती जा रही है।

चौंकाने वाले तथ्य

हिन्दी भाषी राज्यों की आबादी 46 करोड़ से अधिक है। 2011 की जनगणना के मुताबिक भारत की 1.2 अरब आबादी में से 41.03 फीसदी की मातृभाषा हिन्दी है। हिन्दी को दूसरी भाषा के तौर पर इस्तेमाल करने वाले अन्य भारतीयों को मिला लिया जाए तो देश के लगभग 75 प्रतिशत लोग हिन्दी बोल सकते हैं। भारत के इन 75 प्रतिशत हिन्दी भाषियों सहित पूरी दुनिया में तकरीबन 80 करोड़ लोग ऐसे हैं जो इसे बोल या समझ सकते हैं।

भारत के अलावा नेपाल, मारीशस, फिजी, सूरीनाम, यूगांडा, दक्षिण अफ्रीका, कैरिबियन देशों, ट्रिनिडाड एवं टोबेगो और कनाडा जैसे देशों में हिन्दी बोलने वालों की अच्छी खासी संख्या है। इसके आलावा इंगलैंड, अमेरिका, मध्य एशिया में भी इसे बोलने और समझने वाले अच्छे खासे लोग हैं। जिसकी वजह एनआरआई लोगों का वहां बस जाना है। इसे देखते हुए हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र की आधिकारिक भाषा बनाने के लिए सरकार की ओर से प्रयास किए जा रहे हैं।

वैसे यूनेस्को की सात भाषाओं में हिन्दी पहले से ही शामिल है। वैश्वीकरण और भारत के बढ़ते रूतबे के साथ पिछले कुछ सालों में हिन्दी के प्रति विश्व के लोगों की रुचि खासी बढ़ी है। देश का दूसरे देशों के साथ बढ़ता व्यापार भी इसका एक कारण है। हिन्दी के प्रति दुनिया की बढ़ती चाहत का एक नमूना यही है कि आज विश्व के लगभग डेढ़ सौ विश्वविद्यालयों में हिन्दी पढ़ी और पढ़ाई जा रही है। विभिन्न देशों के 91 विश्वविद्यालयों में 'हिन्दी चेयर' है। यही नहीं इसके अलावा आज चीन के छह, जर्मनी के सात, ब्रिटेन के चार, अमेरिका के पांच, कनाडा के तीन और रूस, इटली, हंगरी, फ्रांस तथा जापान के दो दो विश्वविद्यालयों सहित तकरीबन 150 विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में यह किसी न किसी रूप में शामिल है।

बीएसएनएल में हिन्दी पखवाड़ा

बीएसएनएल के जयपुर स्थित सभी कार्यालय कल से संयुक्त रूप से हिन्दी पखवाड़ा मनाएंगे। भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी महेन्द्र सुराणा हिन्दी पखवाड़े का उद्घाटन करेंगे। वे 'राजभाषा हिन्दी: चुनौतियां एवं संभावनाएं' विषय पर व्याख्यान भी देंगे। शिक्षाविद् राघव प्रकाश और वरिष्ठ पत्रकार ईशमधु तलवार उद्घाटन समारोह के विशिष्ट अतिथि होंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता बीएसएनएल के राजस्थान परिमंडल के मुख्य महाप्रबंधक रमेशचन्द्र आर्य करेंगे। हिन्दी पखवाड़े के दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए सामान्य ज्ञान, टिप्पणी व प्रारूप लेखन, वाद-विवाद और निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इस दौरान हिन्दी कार्यशाला भी रखी गई है। 28 सितम्बर को होने वाले समापन समारोह में प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इस मौके पर राजभाषा में श्रेष्ठ कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा।

शहर में होंगे ये कार्यक्रम

भाषा एवं पुस्तकालय विभाग द्वारा आज हिन्दी दिवस समारोह आयोजित किया जाएगा। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षा राज्य मंत्री वासुदेव देवनानी, मुख्य वक्ता कुलपति रावि प्रो. राकेश कोठारी, विशिष्ट अतिथि कोटा विश्वविद्यालय प्रो. पीके राजोरा और अध्यक्ष के रूप में शासन सचिव स्कूल शिक्षा भाषा एवं पुस्तकालय विभाग नरेशपाल गंगवार मौजूद रहेंगे। विभाग के निदेशक अशफाक हुसैन ने बताया कि हिन्दी में उत्कृष्ट लेखन को बढ़ावा देने के लिए शुरू किए गए हिन्दी सेवा पुरस्कार से विज्ञान, पत्रकारिता एवं हिन्दी में क्रमशः डीडी ओझा, प्रो. रमेश जैन एवं डॉ. शारदा शर्मा को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान की माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2017 में हिन्दी विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले 105 विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर विभाग द्वारा प्रकाशित 'राजभाषा एवं पुस्तकालय आदेशिका' एवं विभागीय पत्रिका 'भाषा परिचय' का विमोचन किया जाएगा।

हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा मेला

महानगर संवाददाता

जयपुर। हिन्दू स्प्रिचुअल एंड सर्विस फाउंडेशन के जयपुर चेप्टर एवं नैतिक एवं सांस्कृतिक प्रशिक्षण संस्थान के तत्वाधान में हिन्दू आध्यात्मिक एवं सेवा मेले का जयपुर में लगातार तीसरे वर्ष यह आयोजन किया गया। इन खेलकूद प्रतियोगिताओं में खो-खो, सितोलिया, रूमाल झपट्टा, रस्सा-कस्सी और कबड्डी समेत कई भारतीय परंपरागत खेलों का आयोजन किया गया। इस श्रृंखला में बुधवार को प्रातः 8 बजे से 1 बजे तक आदर्श विद्या मंदिर, अम्बाबाड़ी में जोन 4 के संकुल 3 में भारतीय परंपरागत खेल-कूद प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें 180 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन जोन प्रभारी नवीन अटोलिया ने किया।

रात्रि चौपाल का आयोजन

महानगर संवाददाता

जयपुर। अंतराष्ट्रीय हृदय दिवस के अवसर पर नुपुर संस्थान एवं यस संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में आम जन में स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता लाने के उद्देश्य के साथ शहर में जयपुर साईकिल मैराथन के 7 वें संस्करण का आयोजन होगा। इस आयोजन के तहत पोस्टर विमोचन, रंग प्रतियोगिता, रोड़ सुरक्षा ,बाल सभाओं का आयोजन, नुक्कड़ नाटक सहित कई आयोजन होंगे। आयोजनों की श्रृंखला में बुधवार को रात 8 बजे ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड़, जयपुर में रात्रि चौपाल का आयोजन हुआ।

हिन्दी भाषा को लेकर आयोजन

महानगर संवाददाता

जयपुर। कानोड़िया महिला महाविद्यालय में आज राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर के संयुक्त तत्वाधान में निबंध एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर के अध्यक्ष डॉ. इन्दुशेखर तत्पुरुष ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने हिन्दी भाषा को वैज्ञानिक भाषा बताते हुए वैश्विक परिप्रेक्ष में हिन्दी पर बात की। हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. रेखा गुप्ता द्वारा रचित 'हिन्दी गीत' संगीत विभाग की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किया गया। डॉ. रेखा गुप्ता ने आयोजन के विषय पर अपने विचार रखे। अंजलि कौर, दिलजीत कंवर व पल्लवी माथुर छात्राओं ने पत्रवाचन किया। कार्यक्रम के अंतर्गत निबन्ध व पोस्टर प्रतियोगिता में छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।